तापमान
अधिकतम 28.1 डिग्री
न्यूनतम 10.0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, गुरुवार, 20 फरवरी 2025

09 विद्यार्थियों को भविष्य के व्यावसायिक नेतृत्व का तैयार करती कार्यशालाएं

10 नशा करना नहीं छोड़ा तो नौकरी से धो बैठोंगे हाथ

पार्षद पद के नगर निगम के 20 वार्डों में 116 और नपा के 13 वार्डों में 53 प्रत्याशी

हिसार में मेयर पद के लिए सात उम्मीदवार नारनौंद में चेयरमैन के लिए 10 उम्मीदवार

हिसार निगम में 2,68,325 और नारनौंद नपा में 14 हजार से अधिक मतदाता मेयर, चेयरमैन व पार्षद पद के 186 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

बुधवार को नामांकन वापसी के बाद हिसार नगर निगम में मेयर पद के सात व 20 वार्डों में पार्षद पद के 116 उम्मीदवार मैदान में डटे रहे। नारनौंद नगर पालिका चेयरमैन पद के 10 व 16 वार्डों में पार्षद पद के 53 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। हिसार नगर निगम मेयर पद के लिए आए 10 नामांकनों में से दो जांच के बाद रद हो गए थे तथा कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए रामनिवास राड़ा ने अपना नामांकन वापस ले लिया। अब हिसार में मेयर पद का मुकाबला 7 प्रत्याशियों के बीच होगा। जिनमें भाजपा से प्रवीन पोपली, कांग्रेस से कृष्ण सिंगला उर्फ टीटू, निर्दलीय गुरमीत सिंह, मीरा लोट, सुरेंद्र कुमार, सुरेंद्र भोरिया व होशियार सिंह शामिल हैं। निगम के 20 वार्डों से पार्षद पद के लिए नामांकन वापसी की अगर बात करें तो वार्ड 7 से ज्योति रानी, वार्ड 10 से नीलम देवी, वार्ड 11 से पूजा सैनी, सीए राजेंद्र सैनी, संजय, जयबीर, रामवीर उर्फ राजबीर कंसवा तथा वार्ड 15 से ज्योति ने अपना नामांकन वापस लिया। अब 116 प्रत्याशी आमने-सामने होंगे। चुनाव में मेयर पद के लिए 7 और 20 वार्डों के 116 प्रत्याशियों की तकदीर 2 लाख 68 हजार 325 मतदाता लिखेंगे।

रामनिवास राड़ा व समर्थकों को भाजपा में शामिल करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

हिसार नगर निगम कहां कितने प्रत्याशी	
वार्ड	प्रत्याशी
1	4
2	8
3	2
4	6
5	4
6	10
7	8
8	8
9	5
10	9
11	7
12	3
13	3
14	5
15	3
16	9
17	5
18	8
19	6
20	3
कुल	116

नारनौंद: 10 के बीच होगा नपा की प्रधानगी का मुकाबला

नारनौंद नगर पालिका चुनाव में 14081 वोटर दो मार्च को चेयरमैन व अपने वार्ड का पार्षद चुनने का काम करेंगे। इस चुनावी रण में चेयरमैन पद के लिए 10 उम्मीदवारों ने अपनी ताल ठोकी है। वहीं 16 वार्डों में 53 प्रत्याशी पार्षद पद के लिए अपना भाग्य आजमाएंगे। बुधवार को नामांकन लेने का आखिरी दिन था। इस दिन चैयरमैन पद के लिए संतोष और साबित ने अपना नामांकन वापस लिया है। पार्षदों में वार्ड 7 से विनोद, वार्ड 6 से बबीता, आठ से कविता, वार्ड 5 से शीला, वार्ड 11 से विकास और वार्ड 15 से रेखा रानी ने अपना नामांकन वापस लिया है। नारनौंद नपा में चेयरमैन पद के लिए शमशेर लोहान उर्फ कूकन, विधायक रामकुमार गौतम के भाई भीम सेन गौतम, पूर्व पार्षद कुलदीप गौतम, सुरेश एमसी, दिनेश कुमार ब्यास, अनुराधा, सुमन देवी, मुकेश कुमार, मनीष, प्रदीप कुमार ने नामांकन किया था। सभी चुनावी रण में अपना भाग्य आजमाएंगे

नारनौंद नगर पालिका

16 वार्डों में पार्षदों में वार्ड नंबर 1 से अनिल, जरनैल व महेंद्र, वार्ड 2 से रेनू बाला, पिंकी रानी व रीना, वार्ड 3 से नीलम देवी, परमजीत कौर व बिन्नू रानी, वार्ड 4 से प्रिया, रामलाल व चांदराम, वार्ड 5 से सुखबीर, अनीता, जोगिंद्र, रामकुमार, सुरेश व महेंद्र, वार्ड 6 से रितु व ज्योति, वार्ड 7 से विनोद कुमार, सोमबीर, सुरेंद्र, अरुण कुमार, लालचंद व ललित कुमार, वार्ड 8 से सुषमा व काजल, वार्ड 9 से विनोद व राजवीर सिंह तथा वार्ड 10 से टेकराम, सुरेश कुमार, सचिन शर्मा व अंकुश मैदान में है। इसके अलावा वार्ड 11 से रोहतास व पिंकी, वार्ड 12 से सोनू ,सत्यवान व अक्षय, वार्ड 13 से संजय शर्मा, हर्ष कुमार, देवेंद्र शर्मा व अमित कुमार, वार्ड 14 से मुकेश व सुनीता, वार्ड 15 से मुकेश, सविता व सुमन और वार्ड 16 से सचिन, अमित, सुरेंद्र कुमार, कुलबीर सिंह, ईश्वर व राहुल प्रत्याशी होंगे।

पर्यवेक्षक भादू ने किया नपा क्षेत्र का दौरा

नारनौंद। नपा चुनाव को लेकर चुनाव पर्यवेक्षक कमलेश कुमार ने बुधवार को नगर पालिका क्षेत्र का दौरा किया। संयुक्त कार्यालय परिसर में चल रही नामांकन वापस लेने तथा चुनाव चिन्ह अलॉट करने की प्रक्रिया का अवलोकन किय व चुनाव इयूटी पर तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न करवाने के निर्देश दिए।

मतगणना स्थल निर्धारित

हिसार। चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी आईएएस हरबीर सिंह ने बताया कि नगर निगम के चुनाव में मेयर पद की मतगणना महाबीर स्टेडियम के जिम्नेजियम हॉल (पश्चिमी भाग) में होगी। जबकि पार्षद पद के 1 से 20 वार्ड के सदस्यों के लिए जिम्नेजियम हॉल (पूर्वी भाग) को सुनिश्चित किया गया है।

द्वितीय रेंडमाइजेशन आज

हिसार। निकाय चुनाव की तैयारियों के तहत ईवीएम और वीवीपीएटी की द्वितीय रेंडमाइजेशन प्रक्रिया 20 फरवरी को होगी। चुनाव पर्यवेक्षक आईएएस प्रमजोत सिंह तथा एचसीएस कमलेश भादू भी मौजूद रहेंगे। सभी मान्यता प्राप्त दलों को इसके लिए निमंत्रण दिया है। मतदान कर्मियों का प्रथम रेंडमाइजेशन किया जा चुका है।

निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, राड़ा हुए भाजपाई

- विस चुनाव में हार पर हुड्डा गुटा को माना था जिम्मेदार

हिसार। नगर निगम चुनाव में बड़ा उल्टफेर हुआ है। कांग्रेस से बागी होकर मेयर पद पर का चुनाव लड़ रहे रामनिवास राड़ा ने बुधवार को भाजपा का दामन थाम लिया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भाजपा का पटका पहनाया। जिलाध्यक्ष अशोक सैनी के मौजूदगी में रामनिवास राड़ा के साथ नप के पूर्व चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा, शहरी यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रोहित राड़ा, हिसार लोकसभा युवा कांग्रेस के पूर्व प्रधान भूपेंद्र व अन्य भी भाजपा में शामिल हुए। एक दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने रामनिवास राड़ा की बगावत को गलत बताते हुए पार्टी से निष्काषित करने की चेतावनी दी थी। गत वर्ष हुए विस चुनाव में रामनिवास राड़ा ने हुड्डा गुट के बजरंग दास गर्ग का टिकट कटवाकर खुद टिकट पाई थी, परंतु निर्दलीय प्रत्याशी सावित्री जिंदल से हार गए थे। जिसके बाद रामनिवास राड़ा ने हुड्डा गुट पर चुनाव हरवाने के आरोप लगाए थे।

मर्डर से दहला हांसी, नाबालिग को चाकुओं से गोदा, छाती के पास 6 इंच गहरा जख्म मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

शहर की बोगा राम कॉलोनी के नजदीक नहर कोठी के समीप मंगलवार देर रात करीब 11 एक युवक की चाकुओं से गोदकर कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बोगा राम कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय अरुण के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अरुण देर रात अपने दोस्तों के साथ दुकान से सामान लेने के लिए जा रहा था। जब अरुण अपने दोस्तों के साथ नहर कोठी के पास पहुंचा, तो कार सवार 3-4 युवकों ने अरुण को घेर लिया और उस पर चाकूओं से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आस पास के लोगों ने सूचना पुलिस को दी। शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सदानंद, सीआइए टू व डीएसपी राज सिंह इत्यादि मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित कर मामले की जांच शुरू दी है। सूचना मिलते ही उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक अरुण के चाचा महेंद्रगढ़ के गांव सेहलंग निवासी राजेश की शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर परिजनों की मांग पर मेडिकल बोर्ड द्वारा शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच आरंभ कर दी है। हत्यारोपी युवकों की पहचान के लिए पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है।

मृतक अरुण, फाइल फोटो।

वहीं शव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर्स के अनुसार अरुण की छाती पर एक तथा आसपास शरीर पर तीन घाव मिले हैं तथा छाती पर लगा घाव अधिक गहरा होने तथा खून अधिक बह जाने से अरुण की मौत हुई है। डॉक्टरों के अनुसार अरुण की छाती में दिल के पास चाकू पांच-छह इंच तक घुसा है। जिसकी वजह से उसकी जान चली गई।

घर की निभा रहा था जिम्मेदारी

मृतक अरुण 11वीं कक्षा का छात्र था और उसके परिवार में माता पिता सहित एक छोटी बहन 14 वर्षीय मानसी है। परिजनों के अनुसार अरुण के पिता ओमप्रकाश करीब अढ़ाई महीने से हत्या प्रयास के मामले में झज्जर सेंट्रल जेल में बंद है और घर की सारी जिम्मेदारी अरुण के कंधों पर थी।

नानी ने रोका लेकिन नहीं माना

मृतक अरुण की नानी बाला ने बताया कि उसने अरुण को देर रात घर से बाहर जाने से रोका था, लेकिन वह जिद्द करता रहा और घर के बाहर चला गया। अरुण जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटा, तो उसने उसे फोन किया तो उसने 10 मिनट में आने की बात कही थी। लेकिन उसके बाद उसका फोन बंद हो गया और पुलिस ने उसके उपर हमला होने तथा हमले में घायल होने की सूचना दी।

अरुण का सपना रह गया अधूरा

मृतक अरुण मूल रूप से झज्जर जिले के सेहलंग गांव का रहने वाला था। परिवार करीब चार साल पहले हांसी में आकर बस गया था, चूंकि अरुण के पिता ओमप्रकाश पर 2018 में एक मामले में धारा 307 लगी थी और हाल ही में वे झज्जर सेंट्रल जेल में बंद थे। परिवार नहीं चाहता था कि गांव में उनकी कोई और रंजिश बढ़े, इसलिए वे हांसी आकर बस गए थे। अरुण पढ़ाई-लिखाई में रुचि रखता था और दिल्ली पुलिस में भर्ती होने का सपना देख रहा था। वह अपनी 10वीं की पढ़ाई के साथ-साथ प्राइवेट नौकरी भी करता था। चाचा राजेश 12वीं पास कराकर उसे दिल्ली पुलिस में लगवाने की तैयारी कर रहा था, परंतु अब यह सपना अधूरा रह गया।

आपस की कहासुनी हाथापाई में बदली और कर दी हत्या

देर रात घर लौट रहे अरुण का कॉलोनी के युवकों के साथ कहासुनी हो गई और यही कहासुनी झगड़े में बदल गई और अरुण की मौत की वजह बन गई। सूत्रों से जानकारी के मुताबिक, अरुण अपने दोस्तों के साथ मंगलवार रात पार्टी करने गया था। रात को घर लौटते समय कॉलोनी के ही कुछ युवकों के साथ उसकी कहासुनी हो गई, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। लेकिन आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया। लेकिन करीब आधे घंटे बाद, दूसरे पक्ष के युवकों ने अरुण के साथ हुई झगड़े की जानकारी हमलावर युवकों को दी, जिसके बाद हमलावर युवक बदला लेने के लिए गाड़ी से सवार होकर मौके पर पहुंचे और अरुण और उसके दोस्तों को नहर कोठी के समीप पकड़ लिया। गाड़ी सवार युवकों द्वारा अरुण को पकड़ लिए जाने पर उसके दोस्त मौके से भाग निकले और वहां पर अरुण अकेला रह गया, जिसके बाद हमलावरों ने अरुण पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस द्वारा हमलावर युवकों की तलाश में उनके छिपने के स्थानों पर छापेमारी कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे जा हैं।

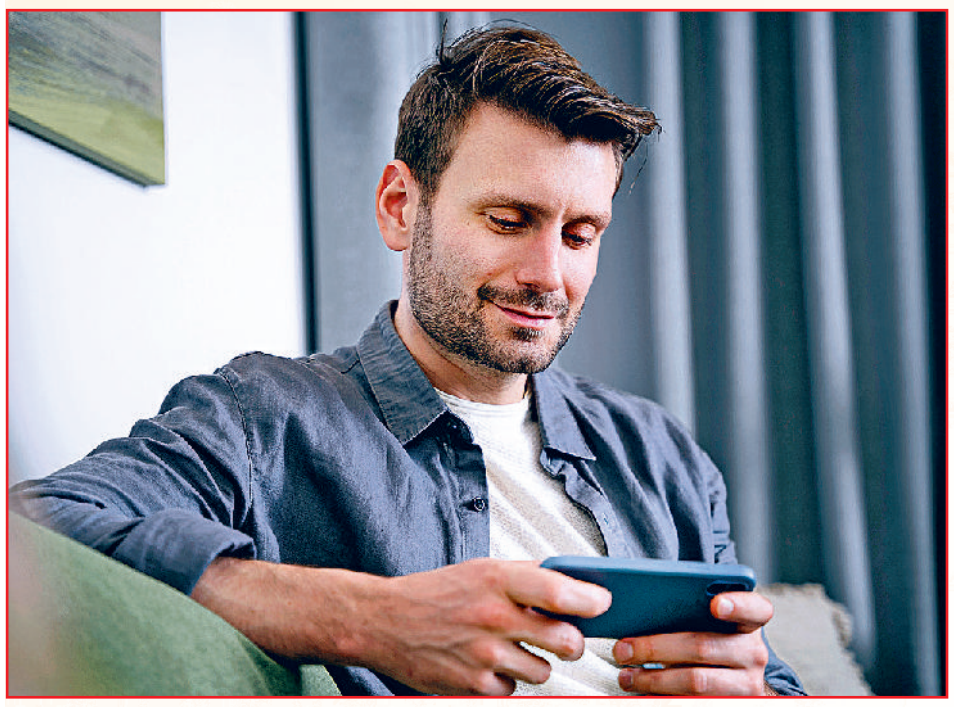

आज के दौर में मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप जैसे गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण हर उम्र के लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। इसका सीधा असर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। नतीजा, कई तरह की बीमारियों के चंगुल में हम फंसते जा रहे हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें, इस बारे में बहुत जरूरी सुझाव।

कई बीमारियों की वजह बढ़ता स्क्रीन टाइम

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. हर्षल साल्वे
एडिशनल प्रोफेसर-सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, दिल्ली

चाहे ऑफिस से जुड़ा काम-काज हो या करनी हो स्टडी, ऑनलाइन शॉपिंग करनी हो या फिर अपनों के साथ चैटिंग, ऐसी अनेक एक्टिविटीज की वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। यह सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह साबित होता है। इसकी वजह से लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं घेरने लगती हैं। इनके बारे में जरूर पता होना चाहिए, ताकि इनसे बचाव किया जा सके।

सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस

कंप्यूटर या लैपटॉप के साथ लगातार घंटों काम करते समय अधिकतर लोगों को अपने सही पोस्चर का ध्यान नहीं रहता। टाइपिंग करते समय अकसर लोगों की गर्दन झुक जाती है, इससे उनकी गर्दन और कंधे में दर्द की समस्या होने लगती है। अगर लंबे समय तक ध्यान न दिया जाए तो इससे सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या हो सकती है।

बचाव के उपाय: कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर टाइप

करते समय अपनी गर्दन सीधी रखें। लगातार बहुत देर तक काम न करें। हर एक घंटे के अंतराल पर बीच में उठकर पांच से दस मिनट का ब्रेक लें। इससे गर्दन में दर्द की समस्या नहीं होगी।

ओवरवेट यानी ओबेसिटी

जो लोग इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ ज्यादा वक्त बिताते हैं, उनकी शारीरिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। साथ ही काम के दौरान होने वाली बोरियत को दूर करने के लिए अधिकतर लोग बिस्किट, चॉकलेट, चिप्स, वेफर्स या जंक फूड्स जैसी अधिक कैलोरी वाली चीजों का सेवन करते हैं, इससे उनका वजन बढ़ जाता है और ओबेसिटी जैसी समस्या परेशान करने लगती है।

बचाव के उपाय: चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, नियमित एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें। काम के दौरान अगर बीच में हल्की भूख लगे तो मंचिंग के लिए हाई कैलोरी वाले जंक फूड के बजाय फल, भुने चने और मुरमुरे जैसी चीजों का सेवन करें।

पीठ और कमर में दर्द

कंप्यूटर या लैपटॉप पर टाइप करते हुए अधिकतर लोग अपनी पीठ और कमर के सही पोस्चर का भी ध्यान नहीं रखते हैं। इसी वजह से उनकी पीठ और कमर में दर्द की समस्या होती है। लगातार एक ही मुद्रा में बैठकर काम करना या पीठ को सीधी न रखना इस समस्या की बड़ी वजह है।

बचाव के उपाय: चाहे आप बेड पर बैठें या कुर्सी पर आपकी पीठ हमेशा सीधी होनी चाहिए। कुर्सी टेबल पर बैठकर काम करते समय तकिए या कुशन का सहारा लेना चाहिए। इससे पीठ और कमर में दर्द नहीं होगा।

डायबिटीज-हाई ब्लडप्रेशर-कोलेस्ट्रॉल

स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिना किसी फिजिकल एक्टिविटी के बिताने वाले लोगों के शरीर में अतिरिक्त कैलोरी और फैट का संग्रह होने लगता है। इसी वजह से उनमें डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की आशंका भी बढ़ जाती है।

बचाव के उपाय: घी-तेल और चीनी से बने फूड आइटम्स से दूर रहें। नियमित रूप से एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें।

कलाई और अंगुलियों में दर्द

आजकल लोग घंटों तक मोबाइल पर चैटिंग करते हैं या स्क्रीन स्क्रॉल करके रील्स देखते रहते हैं। इससे उन्हें अंगुलियों और कलाई में दर्द की समस्या भी होती है।

बचाव के उपाय: मोबाइल देखने के समय में कटौती करें, जहां तक संभव हो लोगों को टेक्स्ट मैसेज भेजने के बजाय वॉयस नोट भेजें।

अनिद्रा की समस्या

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और रील्स देखने की लत के कारण अधिकतर लोग देर रात तक जागते हैं, जिससे उनकी नींद पूरी नहीं होती। इससे उनमें चिड़चिड़ापन, थकान और आंखों में जलन जैसी समस्याएं भी होती हैं। नींद की कमी के कारण स्मरण शक्ति भी कमजोर पड़ने लगती है। पाचन संबंधी समस्याएं भी परेशान करती हैं।

बचाव के उपाय: रोजाना कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। रात को सोने से एक घंटे पहले से मोबाइल को स्विच ऑफ कर दें, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन से भी दूर रहें। रात को सोते समय मोबाइल को बेडरूम से बाहर रखें।

सिर में दर्द

मोबइल पर लगातार चैटिंग करने से लोगों को सिर में दर्द की समस्या भी होती है। लगातार रील्स स्क्रॉल करते रहने की आदत ब्रेन की सेहत के लिए नुकसानदेह होती है। इससे खास तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्या होती है, जिसे ब्रेन रोट प्रॉब्लम कहते हैं। इसमें लोगों को ध्यान केंद्रित करने और सोचने-समझने की क्षमता में गिरावट आती है।

बचाव के उपाय: अपने मोबाइल में सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन के बटन को ऑफ रखें। मनोरंजन के लिए किताबें पढ़ना या टीवी देखना ज्यादा बेहतर विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मोबाइल से दूर रहें।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

लंबे समय तक लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और मोबाइल, लैपटॉप के साथ ज्यादा वक्त बिताने के कारण लोगों में एंग्जायटी, स्ट्रेस, उदासी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा करने वाले लोग इंट्रोवर्ट और उदास रहने लगते हैं। ज्यादा रील्स देखने से सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता घटने लगती है।

बचाव के उपाय: सचेत तरीके से अपना स्क्रीन टाइम घटाने की कोशिश करें। खाली समय में अकेलापन या उदासी दूर करने के लिए मोबाइल स्क्रॉल करने से बचें, बल्कि खुद को कुकिंग, बागवानी, पेंटिंग और लेखन जैसे रचनात्मक कार्यों में व्यस्त रखने की कोशिश करें। अपनों से मिलने-जुलने और बातचीत के लिए समय निकालें। ध्यान

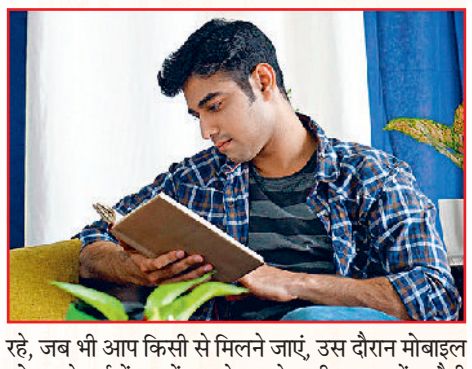

रहे, जब भी आप किसी से मिलने जाएं, उस दौरान मोबाइल को अपने पर्स में रख दें। इससे आपके स्क्रीन टाइम में कटौती होगी और आप अपनों के साथ क्वॉलिटी टाइम बिता पाएंगे।

अगर आप यहां बताई गई बातों का ध्यान रखेंगे तो मोबाइल और गैजेट्स के सीमित इस्तेमाल के बावजूद आपको कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। *

प्रस्तुति: विनीता

बच्चों का भी बढ़ रहा स्क्रीन टाइम

आजकल एक-दो साल की उम्र से ही लोग रोते बच्चों को बहलाने के लिए उनके हाथों में मोबाइल पकड़ा देते हैं।

इसी वजह से उन्हें मोबाइल की लत लग जाती है और अकसर वे मोबाइल देखे बिना खाना तक नहीं खाते। ऑनलाइन क्लास और स्टडी की वजह से भी बच्चे लैपटॉप और स्मार्टफोन के साथ काफी वक्त गुजारते हैं। मोबाइल के स्क्रीन से ब्लू लाइट वैसे तो बड़ों के लिए भी नुकसानदेह होती है, लेकिन बच्चों की कोमल आंखों पर इसका ज्यादा बुरा असर पड़ता है।

बचाव के उपाय: दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखें। पांच वर्ष के बाद बच्चे मोबाइल तो देख सकते हैं, लेकिन उनका स्क्रीन टाइम 2 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार बच्चों को सोने से एक घंटे पहले से ही स्क्रीन न देखने दें। अगर परिवार में बड़े भी यह नियम अपनाएं तो यह उनके लिए फायदेमंद साबित होगा।

आंखों के लिए भी है बहुत हार्मफुल

स्क्रीन टाइम बढ़ने का बुरा असर आंखों पर भी बहुत अधिक पड़ रहा है। मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिताने की वजह से लोगों की आंखों की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द महसूस होता है। स्क्रीन पर लगातार देखने के कारण पलकें झपकाने का मौका नहीं मिलता, इससे आंखों की नमी सूखने लगती है। आंखों में ड्राइनेस की समस्या के कारण खुजली, जलन और लालिमा जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

बचाव के उपाय: आंखों को स्क्रीन से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए 20: 20: 20 का फॉर्मूला अपनाएं। यानी, हर 20 मिनट के अंतराल पर 20 सेकेंड का ब्रेक लेकर 20 फीट की दूरी पर रखी किसी वस्तु को

देखें। इसके अलावा फोन के स्क्रीन को ज्यादा नजदीक से न देखें। लैपटॉप का स्क्रीन भी लगभग डेढ़ फीट की दूरी पर होना चाहिए। लैपटॉप पर काम करते समय हर 20 मिनट के अंतराल पर अपनी दोनों हथेलियां बंद पलकों पर रखें, इससे आंखों की थकान दूर होगी। ब्राइट लाइट का रिफ्लेक्शन सीधे स्क्रीन पर नहीं होना चाहिए। आप जिस कमरे में रहते हैं, वहां की प्रकाश व्यवस्था संतुलित होनी चाहिए।

ज्यादा तेज या बहुत हल्की रोशनी दोनों ही आंखों के लिए नुकसानदेह होती है, अपने कमरे में हमेशा मीडियम रोशनी का प्रबंध रखें। अगर आंखों में कोई तकलीफ न हो तो भी साल में एक बार आई चेकअप अवश्य कराएं।

- सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली की सीनियर आई स्पेशलिस्ट डॉ. इकेदा लाल

घरेलू औषधि / रेखा देशराज

त्रिदोष नाशक कच्ची हल्दी

हल्दी, भारतीय रसोई के सबसे लोकप्रिय मसालों में से एक है। लेकिन यह एक प्रभावी जड़ी-बूटी भी है। जी हां, आयुर्वेद में हल्दी के सैकड़ों तरह के औषधीय उपयोग हजारों सालों से मौजूद हैं।

त्रिदोष को करती है दूर: आयुर्वेद में हल्दी को 'त्रिदोष नाशक' माना गया है। बहुत कम ऐसी चीजें होती हैं, जिनमें वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की क्षमता होती है। हल्दी कुछ गिनी-चुनी औषधियों में से है, जिसमें इन तीनों को संतुलित करने का गुण पाया जाता है। इसलिए हल्दी को त्रिदोष नाशक कहा जाता है।

होते हैं अनेक औषधीय गुण: जिन्हें सूजन से संबंधित परेशानियां होती हैं, जैसे गठिया आदि में अपने एंटीइंफ्लेमेट्री गुण के कारण हल्दी सूजन को कम करती है और परेशानी से राहत पहुंचाती है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाते हैं। हल्दी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। हल्दी के सेवन से पाचन में सुधार होता है। यह गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में बेहद

फायदेमंद है। कहीं कट-फट जाए तो हल्दी का पेस्ट ऐसे घावों और संक्रमण को तेजी से ठीक करने में मददगार होती है। दाग, धब्बों, मुहांसों और त्वचा संबंधी दूसरी परेशानियों को हल्दी दूर करती है। हल्दी रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रण करने में मदद करती है। इसमें पाया जाने वाला यौगिक करक्यूमिन कैंसररोधी होता है। इसलिए हल्दी के सेवन से कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद मिलती है। हल्दी का पेस्ट त्वचा की जलन, खुजली, एग्जिमा और सोरायसिस जैसी समस्याओं में फायदेमंद होता है। हल्दी को दूध में मिलाकर या काढ़े के रूप में पीने से गले की खराश दूर होती है। सर्दी लगने पर भी फायदेमंद होती है।

इन बीमारियों में भी है कारगर: जिन्हें लगातार अपच, एसिडिटी और पेट दर्द की शिकायत रहती है, उन्हें अदरक के साथ मिलाकर कच्ची हल्दी भूनकर चूसना चाहिए या दांतों से चबाकर उसका रस पीना चाहिए। इससे पेट संबंधी ये सारी शिकायतें खत्म हो जाती हैं। हल्दी लिवर को डिटॉक्स करने में और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होती है। जो घाव लंबे समय से भर न रहा हो, उसमें शुद्ध शहद में हल्दी के पावडर को मिलाकर लेप करना चाहिए। डायबिटीज की समस्या में कच्ची हल्दी के रस का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि यह इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है। हल्दी रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित करती है। क्योंकि हल्दी दिमाग की सूजन को कम करती है, इसलिए यह याद्दाश सुधारने में मददगार होती है। जिन्हें अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की समस्या हो, उन्हें हल्दी का सेवन करना चाहिए। *

योगोपचार
दिव्यज्योति 'नंदन'

युवाओं का पसंदीदा योगासन
पार्श्व उपविष्ठ कोणासन

वैसे तो अधिकांश आसन युवा लोग कर सकते हैं, इसके लाभ उठा सकते हैं। लेकिन पार्श्व उपविष्ठ कोणासन, ऐसा आसन है, जिसे युवा बहुत पसंद करते हैं। इसकी क्या वजह है, इसे करने की विधि, लाभ और सावधानियों के बारे में जानिए।

पार्श्व उपविष्ठ कोणासन, जिसे अंग्रेजी में वाइड एंगल सीटेड फॉरवर्ड बेंड पोज या संक्षेप में साइड सीटेड एंगल पोज भी कहते हैं, युवाओं को सूर्य नमस्कार की तरह सबसे ज्यादा पसंदीदा आसनों में से एक है। शायद इसकी वजह यह भी है कि यह एक ऐसा आसन है, जिसे ज्यादा बूढ़े या अधेड़ लोग मुश्किल से कर पाते हैं और बच्चों को इसे करने की जरूरत नहीं होती। इस तरह यह मूलतः युवाओं का ही आसन माना जाता है, क्योंकि इस आसन के लिए जितनी फ्लेक्सिबिलिटी की जरूरत होती है, उतनी लोच-लचक आमतौर पर युवाओं में ही आसानी से मिलती है।

इससे होने वाले फायदे: नियमित रूप से उपविष्ठ कोणासन करने से कई तरह के फायदे होते हैं। इस आसन से पैरों के निचले और भीतरी हिस्से को अच्छा स्ट्रेच मिलता है, जिससे वे सुडौल और टोंड दिखती हैं। इसे करने से पेट के भीतरी अंग भी टोंड और स्टिमुलेट होते हैं। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। शरीर को रिलैक्स और दिमाग को शांत करता है। इससे साइटिका और अर्थराइटिस की समस्या दूर होती है। इसके अभ्यास से किडनी स्वस्थ और सक्रिय रहती है। यह युवाओं के लिए विशेष रूप से सिक्स पैक एब्स हासिल करने में मददगार होता है। यह अस्थमा से राहत दिलाता है। इससे लोअर बॉडी का फैट कम होता है तथा वजन को कम करता है।

करने का सही तरीका: सबसे पहले अपने योगा मैट पर बिल्कुल सीधे होकर बैठ जाएं। अब दोनों पैरों को जितना संभव हो, एक-दूसरे के विपरीत 90 डिग्री के कोण में फैलाने की कोशिश करें। इस दौरान अपने दोनों पैरों के पंजों को आगे की तरफ झुकाए रखें और दोनों पैरों को जितना सहा जा सकता हो, उतना सीधा करें। इस अवस्था में कमर के नीचे के हिस्से में जितना झुकाव महसूस होगा, उतना ही अच्छे से यह आसन होगा।

लेकिन इसे करने के पहले इस बात पर ध्यान दें कि सारे योगाचार्यों ने इस आसन के बारे में खासतौर पर कहा है कि अगर असुविधा महसूस हो रही हो तो इसे तुरंत बंद कर दें। शुरुआती दौर में यह करने के लिए मुलायम गद्दी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस आसन में अपनी दोनों हथेलियों को हिप्स के पीछे योगा मैट पर रखें और लंबी-गहरी सांसें भीतर की तरफ खींचें। कुछ सेकेंड तक इस स्थिति में रुकें और फिर जब पैरों को अच्छा स्ट्रेच महसूस होने लगे, तब सांस छोड़ते हुए पेट को भीतर की तरफ खींचें और सामने की तरफ झुक जाएं। अब अपने दोनों हाथों को भी धीरे-धीरे सामने की तरफ लाएं। स्पाइन को जितना हो सके स्ट्रेच करें। एक मिनट से ज्यादा इसे न करें। एक मिनट के बाद धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए पुरानी सामान्य स्थिति में वापस आएं। घुटनों को मोड़ें और पैरों को फिर से एक साथ सीध में लाएं।

बरतें सावधानी: उपविष्ठ कोणासन करते समय कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें। इसे तब बिल्कुल न करें, जब रीढ़ की हड्डी में दर्द हो। अगर किसी तरह की गंभीर बीमारी से गुजर रहे हैं तो भी इसे न करें। गर्दन में दर्द हो, कंधों में दर्द की समस्या रहती हो, घुटनों में दर्द या अर्थराइटिस हो तो यह आसन करने से बचें और करें भी तो किसी योग्य योगाचार्य की मौजूदगी में ही करें। जब तक अच्छी तरह सीख न जाएं, तब तक उपविष्ठ कोणासन योगा ट्रेनर की मौजूदगी में ही करें, कभी अपने आप न करें। जब दक्ष हो जाएं तब अकेले करें। *

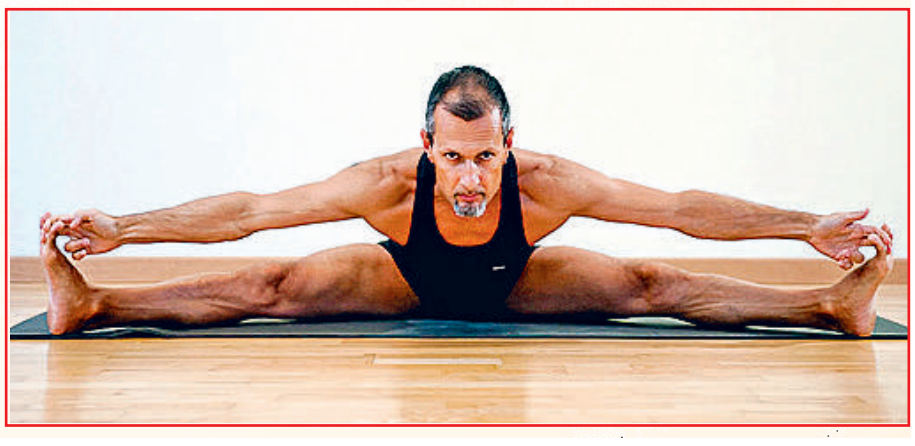

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

हालांकि ब्लड डोनेशन को लेकर समाज में कई तरह के मिथ प्रचलित हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ब्लड डोनेशन से कोई नुकसान नहीं होता। इससे कई तरह के फायदे ही होते हैं। इस बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

ब्लड डोनेशन से नहीं होता किसी तरह का नुकसान

समय-समय पर रक्तदान करना यानी ब्लड डोनेशन के बारे में आप जरूर जानते होंगे। इसमें रक्तदान आयोजित करने वाले कैंप्स में ब्लड ग्रुप के अनुसार ब्लड एकत्रित किया जाता है और जब किसी को रक्त की जरूरत हो, तो उसे यह रक्त चढ़ाया जाता है।

प्रचलित हैं भ्रांतियां: यह बहुत हैरत की बात है कि रक्तदान करने के नाम पर हमारे समाज में कई मिथ और धारणाएं प्रचलित हैं कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आ जाती है और अपने रक्त को किसी को यूं ही क्यों दान दे दिया जाए की सोच के चलते लोग रक्तदान करने से कतराते हैं। हकीकत में ऐसा नहीं है। रक्तदान करने का मतलब है, किसी को जीवनदान देना। रक्तदान एक ऐसा दान है, जिसे कोई भी स्वस्थ व्यक्ति कर सकता है। क्या आपको पता है कि आपके एक यूनिट रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है?

क्या है रक्तदान: रक्तदान करने से पहले रक्तदान करने वाले यानी डोनर के शरीर की कुछ विशेष किस्म की जांच की जाती है और उसके रक्त की गुणवत्ता की जांच करने के बाद ही उससे रक्तदान कराया जाता है। इसमें डोनर के ब्लड के करीब ढाई सौ मिलीलीटर रक्त की मात्रा को मशीन की सहायता से एक बैग में जमा किया जाता है। इस बैग को परीक्षणों के बाद ब्लड बैंकों में स्टोर कर दिया जाता है और इस जमा ब्लड को मरीज की जरूरत के अनुसार दिया जाता है।

इसका रखें ध्यान: अगर आप रक्तदान करना चाहते हैं, तो इसके लिए समय-समय पर विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों द्वारा विभिन्न अस्पतालों में या डिस्पेंसरीज में रक्तदान के कैंप आयोजित किए जाते हैं। जहां जाकर आप रक्तदान कर सकते हैं, इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। चिकित्सक मेडिकल चेकअप के बाद आपका ब्लड लेते हैं। इस प्रक्रिया में 10 से 15 मिनट लगते हैं।

कौन कर सकता है रक्तदान: रक्तदान करने के लिए रक्तदाता का सेहतमंद होना जरूरी है। उसका वजन कम से कम 50 किलोग्राम हो और उम्र कम से कम 18 और अधिकतम 65 साल होनी चाहिए। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने पर रक्तदान कर सकता है। यदि उस व्यक्ति के घर में किसी को इमरजेंसी में रक्त की जरूरत हो तो एक महीने के बाद भी डॉक्टर उसे रक्तदान की इजाजत दे देते हैं। रक्तदान करते समय रक्त देने वाले का ब्लड प्रेशर, तापमान और नाड़ी की गति सामान्य होनी चाहिए। हीमोग्लोबिन लेवल भी 12.5 से कम नहीं होना चाहिए।

कौन नहीं कर सकता रक्तदान: हेपेटाइटेस बी, सी, टीबी, लैप्रोसी, एचआईवी, अस्थमा के मरीज, दिल के मरीज रक्तदान नहीं कर सकते। यदि किसी महिला की डिलीवरी हुई हो या वह बच्चे को दूध पिला रही हो तो उसका भी रक्तदान स्वीकार नहीं होता। मासिक धर्म के दौरान, मिस कैरेज के 6 महीने के भीतर, टैटू, पियर्सिंग कराने के 6 महीने के भीतर ब्लड डोनेट नहीं किया जा सकता। वैक्सीनेशन, एंटीबॉयाटिक, आयुर्वेद, होम्योपैथिक दवाइयों का नियमित सेवन करने वालों को भी रक्तदान के लिए पात्र नहीं समझा जाता।

ब्लड डोनेशन के फायदे: विभिन्न अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि नियमित रक्तदान करने वालों में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। ब्लड प्रेशर में भी कमी आती है, जिससे हार्ट अटैक के खतरे कम होते हैं। यह कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों के जोखिम को भी कम करता है। रक्तदान करने से पहले बहुत सारी जांचें की जाती हैं, जिससे शरीर में किसी भी किस्म के विकार का पता चल जाता है। रक्तदान का सबसे बड़ा लाभ तो यह होता है कि मन में फील गुड आता है कि हमने समाज के लिए कुछ अच्छा कार्य किया है और हमारे रक्त से अगर किसी की जान बच जाती है तो यह भी एक पुण्य का कार्य है। *

खबर संक्षेप

तीन युवक 92.91 ग्राम हेरोइन सहित काबू

हिसार। पुलिस की नशा निरोधक टीम ने पीरावली गांव से तीन युवकों को काबू किया है। उनसे 92.91 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक इंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर गांव पीरावली से तीन युवकों को काबू किया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम गांव पीरावली निवासी विजय, रविकुमार और अजय कुमार बताया। तलाशी लेने पर विजय कुमार के कब्जे से 62.84 ग्राम, रवि कुमार के कब्जे से 19.96 ग्राम और अजय कुमार 10.08 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने सारी हेरोईन कब्जे में लेकर तीनों आरोपियों विजय कुमार, रवि कुमार और अजय कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करें उन्हे गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

पीएम पुरस्कार के आवेदन कल तक

हिसार। लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार हेतु नामांकन भेजने की अंतिम तिथि 21 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि यह पुरस्कार सरकारी तंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं। प्रथम श्रेणी में 11 प्राथमिक क्षेत्रीय कार्यक्रमों (जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण विकास) के तहत जिला स्तर पर उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन करने वाली पाँच परियोजनाओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

मजदूर की 25 को काम रोको हड़ताल

हिसार। बिल्डर एसोसिएशन व भवन निर्माण कामगार यूनियन की संयुक्त बैठक सेक्टर 13 में हुई। इसकी अध्यक्षता बिल्डर एसोसिएशन प्रधान गोविंद सिंह ने की। मीटिंग में 25 फरवरी को निर्माण मजदूरों द्वारा काम बंद करके हड़ताल पर रहने का फैसला लिया गया। इस दिन डीसी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। मीटिंग बिल्डर एसोसिएशन से दर्शन कैमरी, सत्यवान, मदन, मनोज, राकेश मंगवा, लीलू जांगड़ा मौजूद रहे।

कैडेट्स ने निकाली रैली प्लास्टिक हटाने का संदेश

हिसार। गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय में एनसीसी गर्ल्स विंग की ओर से थर्ड हरियाणा एनसीसी गर्ल्स वटालियन के निर्देशानुसार रैली का आयोजन किया गया। रैली में एनसीसी कैडेट्स गर्ल्स व थर्ड हरियाणा बॉयज ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्लास्टिक हटाओ धरती बचाओ का संदेश दिया।

महाविद्यालय की एनसीसी ऑफिसर डॉ. स्नेह लता ने बुधवार को बताया कि रैली का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्राचार्य ने प्लास्टिक हटाना है, धरती को बचाना है, का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धरती को बचाना है तो प्लास्टिक पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। कैडेट ने रैली के दौरान हरियाली को बढ़ाना है, प्लास्टिक को हटाना है, प्लास्टिक हटाओ पर्यावरण बचाओ।

एचएसबी में पांच दिवसीय डेटा एनालिटिक्स कार्यशाला संपन्न

विद्यार्थियों को भविष्य के व्यावसायिक नेतृत्व को तैयार करती हैं कार्यशालाएं : बिश्नोई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस (एचएसबी) में डेटावर्स क्लब द्वारा आईईसीएस एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के सहयोग से पांच दिवसीय डेटा एनालिटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 50 एमबीए बिजनेस एनालिटिक्स विद्यार्थियों ने भाग लिया और पायथन, पांडा लाइब्रेरी जैसे जैसे व्यावसायिक उपकरणों पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यशाला का संचालन प्रशिक्षक चंद्र मोहन व रजत नागपाल द्वारा किया गया, जिन्होंने डेटा विश्लेषण और विजुअलाइजेशन के महत्वपूर्ण पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विद्यार्थियों ने बड़े डेटा सेट्स को व्यवस्थित करने, उनका विश्लेषण करने और समझने योग्य ग्राफ़्स व रिपोर्ट्स तैयार करने की तकनीकों पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। एचएसबी के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को भविष्य के व्यावसायिक नेतृत्व के लिए तैयार करती हैं। उद्योग की मांगों के अनुरूप कौशल प्रदान करती हैं। विभाग इस तरह की और कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा, ताकि विद्यार्थी नवीनतम तकनीकों से अवगत हो सकें और व्यावसायिक रूप से मजबूत बन सकें। एचएसबी के डीन, प्रो. कर्मपाल नरवाल ने इस अवसर पर कहा कि डेटा एनालिटिक्स आज के व्यावसायिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कौशल बन चुका है। समन्वयक प्रो. दलबीर सिंह व डॉ. प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला का समन्वय डेटावर्स क्लब के अध्यक्ष मोहित प्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रेरणा सिंह और क्लब के अन्य सदस्यों द्वारा किया गया।

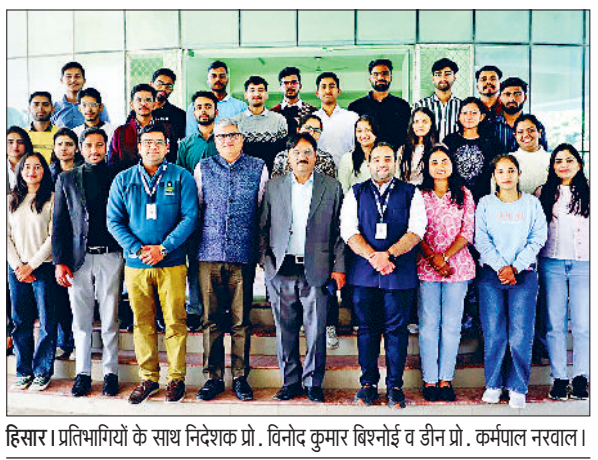

हिसार। प्रतिभागियों के साथ निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई व डीन प्रो. कर्मपाल नरवाल।

लुवास में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हिसार। लुवास में पशुचिकित्सा महाविद्यालय के नेतृत्व में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीबीबी) के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के वरिष्ठ जनरल मैनेजर डॉ. आरओ गुप्ता, लुवास के आईपीवीएस निदेशक डॉ. पवन कुमार शामिल हुए। डॉ.गुलशन नारंग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत में एलपीटी विभाग लुवास के अध्यक्ष डॉ. संजय यादव ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के पदाधिकारियों का विश्वविद्यालय में स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ता डॉ. सिद्धार्थ ने जानवरों में भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर लुवास के छात्र कल्याण निदेशक एवं संपदा अधिकारी डॉ. सज्जन सिहाग, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशक डॉ. राजेश खुराना आदि उपस्थित रहे।

हिसार। प्रतिभागियों के साथ निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई व डीन प्रो. कर्मपाल नरवाल।

विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ना समय की मांग : प्रो. विजय

- गुजवि में तीन दिवसीय इंटर यूनिवर्सिटी 'कोनार्क 2025 इलुमिनेटिंग इनोवेशन टूमारो' टैकफेस्ट का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुजवि में पंडित दीनदयाल इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर ने विवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में तीन दिवसीय इंटर यूनिवर्सिटी 'कोनार्क 2025 इलुमिनेटिंग इनोवेशन टूमारो' टैकफेस्ट का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने टैकफेस्ट का उद्घाटन किया। सलाहकार डीन एफईटी प्रो. संदीप आर्य, संयोजक सचिव पीडीयूआईआईसी के निदेशक प्रो. विशाल गुलाटी, कार्यक्रम समन्वयक उप निदेशक प्रो. मुनीष गुप्ता, प्रो. सुरेश मित्तल व डा. सुमित सरोहा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ना समय की मांग है। यह टैकफेस्ट इस दिशा में उपयोगी होगा तथा विद्यार्थियों को स्टार्ट अप तथा नवाचार के लिए प्रोत्साहित करेगा। प्रो. विशाल गुलाटी ने बताया कि टैकफेस्ट के पहले दिन आइडियाथॉन, क्राफ्टर अरेना, ब्रिज ब्लिज, स्कैच स्क्रैप व आर्टेक्स एआई प्रतियाताएं हुई। पहले दिन प्रदेश भर से आए लगभग 150 प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

हिसार। कार्यशाला का शुभारंभ करते प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा, सज्जन कुमार व राहुल शर्मा।

जीवन में दृढ़ संकल्प को अपनाएं युवा: प्रो. राणा

- गुजविप्रौवि में 'नशे और रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता अभियान' के एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सौजन्य से 'नशे और रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता अभियान' के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुई इस कार्यशाला में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर व विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा, एडीजीपी कार्यालय हिसार के सब इंस्पेक्टर सज्जन कुमार व सामान्य अस्पताल के काउंसलर राहुल शर्मा विशेष आमंत्रित वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। बुधवार को हुई कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डा. संजय परमार ने की जबकि कार्यशाला का समन्वय विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. गोविंद यादव ने किया।

प्रो. संदीप राणा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को अच्छे नियमों और संकल्पों को दृढ़ता के साथ जीवन में अपनाना चाहिए। सकारात्मक लोगों और अभिभावकों के साथ वक्त बिताएं तथा अपना सामाजिक दायरा बढ़ाएं व तनाव से दूर रहें। उन्होंने कहा कि मानसिक रूप से दृढ़ व्यक्ति बुरे से बुरे समय में भी नशे की दल-दल में नहीं फंसते। उन्होंने युवा मनोवैज्ञानिकों से नशे के प्रति जागरूकता और रोकथाम की दिशा में उच्च गुणवत्ता का शोध करने का आह्वान किया। सज्जन कुमार ने प्रतिभागियों का एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए डिमांड व सप्लाई की चेन को तोड़ना जरूरी है। नागरिक अस्पताल के काउंसलर राहुल शर्मा ने बताया कि नशे की लत लग जाती है तो नशे से बचना बेहद मुश्किल हो जाता है। नशे की लत में फंसने के बाद केवल तीन प्रतिशत व्यक्ति ही इस लत को पूर्णतया छोड़ पाते हैं। डा. गोविंद यादव ने अपने धन्यवाद सम्बोधन में बताया कि इस कार्यशाला में 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को इस अवसर पर नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के संयोजन में विभाग की शिक्षिका डॉ. स्नेहा मित्तल व अन्चा रानी का विशेष योगदान रहा। विभाग की छात्राओं साइना, खुशी, नेहा व कनुप्रिया ने मंच संचालन किया।

दोहरी शिक्षा प्रणाली से युवाओं के कौशल विकास को मिल रहा बढ़ावा : प्रेम किरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार जिले के सभी आईटीआई संस्थानों में दोहरी शिक्षा प्रणाली के तहत छात्रों को उद्योगों के साथ समन्वय में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस पहल के अंतर्गत विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षणार्थी 3 से 6 महीने की अवधि तक प्रतिष्ठित उद्योगों में कार्यरत रहते हुए पढ़ाई के साथ-साथ हाथों-हाथ प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करते हैं।

प्राचार्या प्रेम किरण ने बताया कि इस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उद्योगों की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराना है। प्रशिक्षण में छात्र न केवल तकनीकी कौशल सीखते हैं, बल्कि उद्योगों के संचालन, सुरक्षा मानकों और टीमवर्क जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को भी समझते हैं। यह अनुभव उन्हें रोजगार के बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाने में मदद करता है। प्राचार्या ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हिसार, सरकार की नीतियों के अनुरूप इस प्रणाली को और अधिक व्यापक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी दिनों में भी इसके तहत नए ट्रेड्स शामिल किए जाएंगे और अधिक उद्योगों के साथ साझेदारी की जाएगी।

हिसार। चंडीगढ़ में डीएसटी कार्यशाला के दौरान मौजूद औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

चालक से नकदी लूटने के दो आरोपी गिरफ्तार

बरवाला। पुलिस ने गांव सुलखनी के पास ट्रक चालक से नकदी लूटने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें घिराय निवासी नवीन व प्रवीण उर्फ पीनू शामिल है। आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त स्कॉरपियो गाड़ी बरामद कर ली गई है। एएसआई उपेंद्र सिंह ने बताया कि बरवाला थाना में मंगलवार को धांसू निवासी रामनिवास की शिकायत पर नकली आरटीओ बताकर, नकदी लूटने के का केस दर्ज किया था। जिसमें बताया था कि सोमवार की शाम टोहाना से लौटते समय सुलखनी फिरनी पहुंचा, तो एक काले रंग की स्कॉर्पियो ने उसकी गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया। एक युवक उतरा। उसने कहा कि गाड़ी में आरटीओ अधिकारी बैठे हैं और कागज दिखाने को कहा।

होली चाइल्ड स्कूल में साइंस रंगोली प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग के अंतर्गत साइंस रंगोली प्रदर्शनी का आयोजन किया। जिसमें चौथी से 11वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को रंगोली और मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने हृदय, मस्तिष्क, आंखें, चंद्रयान, कंकाल प्रणाली, उत्सर्जी तंत्र, विद्युत परिपथ, फ्रैक्शनल डिस्टिलेशन, इलेक्ट्रोकेमिकल सेल्स, हाइड्रोलिक लिफ्ट, वेस्ट टू इलेक्ट्रिसिटी, सौर ऊर्जा, भूकंप प्रतिरोधी इमारतें जैसे विषयों पर आधारित आकर्षक रंगोलियाँ और मॉडलों का निर्माण किया।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी विषय की गहन समझ के लिए उसे प्रायोगिक विधा से जोड़ना आवश्यक है। प्राचार्या अनीता पन्नू दलाल ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस आयोजन ने छात्रों की कलात्मक व बौद्धिक प्रतिभा को उभारने का एक सशक्त मंच प्रदान किया।

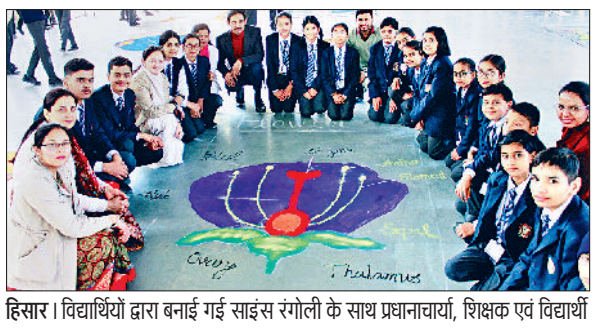

हिसार। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई साइंस रंगोली के साथ प्रधानाचार्या, शिक्षक एवं विद्यार्थी

शिविर में छात्राओं ने सीखें आत्मरक्षा के गुर

हिसार। भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के पांचवें दिन गांव भिवानी रोहिल्ला में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत एनएसएस प्रभारी राजबाला के नेतृत्व में स्वयंसेविकाओं ने गांव के वाटर वर्क्स और उसके आस पास के एरिया में सफाई करके उससे सुव्यवस्थित किया। महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस कैम्प के माध्यम से विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में हिस्सा लेने से हमारे व्यक्तित्व का विकास होता है। इसके अतिरिक्त कराटे प्रशिक्षक सारिका द्वारा सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने छात्राओं को विभिन्न प्रकार की सेल्फ डिफेंस तकनीकों के बारे में प्रैक्टिकल करवाकर विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ शमीम शर्मा ने कहा कि इस सात दिवसीय शिविर का उद्देश्य आपके व्यक्तित्व का विकास करना है ताकि आप अच्छे समाजसेवी के रूप में देश की सेवा कर सके।

राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक में विभिन्न पहलुओं पर हुई चर्चा

हिसार। राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक में विभिन्न पहलुओं को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बैठक हुई है। इस बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये उपायुक्त अनीश यादव भी जुड़े। इस दौरान उपायुक्त अनीश यादव ने हिसार जिले से संबंधित विभिन्न प्रोजेक्ट्स को लेकर जानकारी दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के दौरान प्रदेश में चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की। जनप्रतिनिधियों द्वारा अनुमोदित प्रोजेक्ट्स पर स्टेटस अपडेट भी लिया। साथ ही, विभिन्न परियोजनाओं पर भी चर्चा की। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि बैठक के दौरान 71 एजेंडों पर चर्चा हुई है। ये एजेंडे प्रदेश से संबंधित अलग-अलग परियोजनाओं से संबंधित थे। डीसी ने विभिन्न चुने गए जनप्रतिनिधियों द्वारा अनुमोदित कार्यों के बारे में अधिकारियों को रिपोर्ट संकलित करने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में एडीसी .जयाश्रद्धा, बीडीपीओ नरेंद्र सिंह, एक्सईएन संदीप चित्रा, अभिषेक मौजूद रहे।

28 से पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में 'स्वर्णिम भारत अनुभूति महामेला'

हिसार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से हिसार में पहली बार राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय आध्यात्मिक महामेले का आयोजन होगा। इसमें लोगों को अनोखे और प्रेरणादायक अनुभव मिलेंगे। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा 'स्वर्णिम भारत अनुभूति महामेला' का आयोजन के पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में 28 फरवरी से 2 मार्च तक प्रतिदिन सुबह 10 से रात्रि 8 बजे तक किया जा रहा है जहां ज्ञान, मनोरंजन और आत्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम होगा। हिसार केंद्र की प्रमुख रमेश कुमारी ने बुधवार को बताया कि हिसार में पहली बार इस महामेले का आयोजन हो रहा है जो आपकी सोच और आपके जीवन के दृष्टिकोण को बदलेगा और आप जीवन में शांति, खुशी और एक नई ऊर्जा का अनुभव करेंगे। इस मेले में समृद्ध, स्वर्णिम और शांतिपूर्ण भारत की झलक एक भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से देखने को मिलेगी। मेले में राजयोग मेडिटेशन करवाया जाएगा जिसमें स्वयं को भीतर से जानने और जीवन में शांति लाने के रहस्य सिखाए जाएंगे।

विज्ञान प्रदर्शनी में द्वितीय रही महिला कॉलेज की टीम

हिसार। महिला कॉलेज ने अंतर जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय महाविद्यालय हांसी में किया गया था। प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह सांगा के मार्गदर्शन में हुई इस प्रदर्शनी में रसायन विभाग की ओर से बीएससी कक्षा की छात्रा साक्षी और दिव्या ने प्रोडक्शन ऑफ ग्रीन हाइड्रोजन बॉय वाटर इलैक्ट्रोलिसिस-क्लीन एनर्जी, सेव एनवायरमेंट विषय पर वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किया। प्राचार्या डा. सतबीर सिंह सांगा ने बुधवार को रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार, प्रवक्ता डॉ. राकेश कुमार, डॉ. प्रियंका, वीरेंद्र सिंह, सुषमा और सीमा के योगदान की सराहना की और छात्रा साक्षी और दिव्या को बधाई दी

कैफे के विरोध में थम नहीं रहा विरोध

हिसार। विद्युत नगर में चल रहे कैफे के खिलाफ लगातार प्रदर्शन जारी है। बुधवार को हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित एचएसईबी वर्कर यूनियन की मीटिंग यूनिट प्रधान सुरेश सरसाना की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन सचिव दिनेश शर्मा ने किया। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य विद्युत नगर में चल रहे कैफे मे हो रहे असभ्य अनैतिक व अश्लीलता का समावेश होना है। कर्मचारियों नेताओं ने आरोप लगाया कि निगम द्वारा जमीन कैफे व लाइब्रेरी के लिए दी गई थी लेकिन इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। यूनियन के राज्य के कानूनी सलाहकार विकास ठाकुर व जोनल संगठनकर्ता विनोद सैनी ने बताया कि इस कैफे के कारण सभी कॉलोनीवासियों का जीना हराम हो गया है। यूनियन इसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी। यूनिट प्रधान सुरेश सरसाना ने आरोप लगाया कि इस कैफे में जो चल रहा है उसमें मैनेजमेंट की सहमति है।

कनाडा भेजने के नाम पर 20 लाख की ठगी

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने कनाडा में वर्क परमिट पर भेजने के नाम से की गई 20 लाख की ठगी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मुकलान निवासी बलराज है। उसे अदालत में पेश कर दिया गया। एसआई संजय ने बताया कि इस संबंध में किसान कॉलोनी निवासी धीरज कुमार ने आरोपी बलराज सहित तीन नामजद के खिलाफ धोखाधड़ी से कनाडा भेजने के नाम पर 20 लाख की ठगी के बारे शिकायत दी थी। शिकायत में धीरज कुमार ने बताया कि उसकी आरोपी बलराज के साथ 2014 से जान पहचान थी और वे समय समय पर मिलते रहते थे। मई 2024 के बलराज ने उसे बताया कि उसकी दोस्त कोमल उर्फ सुख कनाडा में वर्क वीजा लगवाने का काम करती है।

गीता व सुरभि का मिनिएचर कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हिसार। हरियाणा आर्ट एंड कल्चर विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड आयोजित छह दिवसीय हस्तशिल्प मेला के दौरान राष्ट्रीय मिनिएचर आर्ट कार्यशाला में हिसार की गीता जांगड़ा और सुरभि जांगड़ा ने सराहनीय प्रदर्शन किया। संयोजक रेनू हुड्डा ने बुधवार को बताया कि कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से 28 वरिष्ठ एवं युवा कलाकारों को चयनित कर आमंत्रित किया गया था। प्रशिक्षण देने के लिए राजस्थान के वरिष्ठ मिनिएचर पेंटिंग कलाकार भी आमंत्रित किए गए। सभी प्रतिभागी कलाकारों ने भगवान श्री कृष्ण व राधा के जीवन से संबंधी चित्रों व लोक परंपरा पर चित्रों को उकेरा। हिसार के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नंगथला में कार्यरत कला प्राध्यापिका डॉ. गीता जांगड़ा, सुरभि जांगड़ा व मनोज बजाज विशेष रूप से आमंत्रित किए गए। डॉ. जांगड़ा ने सभी दर्शक अचंभित हुए। उन्होंने राधा कृष्ण के चित्र के साथ-साथ लोक परंपरा के चित्र बनाकर भी सभी को आकर्षित किया।

अव्यवस्था किरतान के ग्रामीणों ने समाधान के लिए सरकार और प्रशासन से लगाई गुहार

गलियों में जमा कीचड़ की बदबू से जीना मुश्किल

- सीएम विंडो पर शिकायत के 16 माह बाद भी समाधान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिले के गांव किरतान के निवासी गांव की गलियों में लंबे समय से खड़े बदबूदार कीचड़ से परेशान हैं। गांव निवासी सुंदर सिंह किरतान ने इसकी शिकायत 15 जुलाई 2023 को सीएम विंडो में की थी लेकिन 16 महीने बीतने के बावजूद उस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। सुंदर सिंह ने बुधवार को बताया कि सीएम विंडो पर शिकायत के बाद भी समाधान नहीं होना सीएम विंडो की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। गलियों में कीचड़ भरा होने से वहां से पैदल गुजरना भी मुश्किल है जिससे रहने वाले आसपास के लोगों का जीना दूभर हो गया है। इससे गांव के कई लोग बीमारियों की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने बताया पिछले कुछ वर्षों से सडक़ पर पानी भरा रहता है सड़क पूरी तरह बंद हो चुकी है और टूट चुकी है। सीएम विंडो लगाने के 16 महीने बीत जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सुंदर सिंह ने बताया कि गांव किरतान के बस स्टेंड जाने आने का मुख्य रास्ता है इसी रास्ते पर पशुओं का अस्पताल व आंगनबाड़ी भी है। ग्रामीण इससे बहुत ज्यादा परेशान है ग्रामीणों ने सरकार व प्रशासन से मांग की है कि पीने की नई पाइपलाइन डलवाई जाए ताकि लोगों के घरों में स्वच्छ पानी मिल सके।

हिसार के गांव किरतान की गलियों में फैला कीचड़।

खबर संक्षेप

दुकानदार से रुपयों का बैग छीनकर युवक फरार

नारनौंद। पुराना बस स्टैंड के पास एक किरयाणा स्टोर संचालक से रुपयों से भरा बैग छीनकर युवक फरार हो गया। हरीश कुमार ने पुलिस को बताया कि पुराने बस स्टैंड पर उसकी किरयाणा की दुकान है। 17 फरवरी की रात जब मैं दुकान बंद करे घर जा रहा था तो नारनौंद का विजय दुकान पर आया और वह मेरा पैसों का बैग लेकर भाग गया। जिसमें करीब एक लाख 20 हजार रुपये थे। मेरे पीछा करने पर उसने पैसे निकालकर बैग गली में फैंक दिया।

श्री श्याम गोशाला का वार्षिक महोत्सव 23 को

हिसार। श्री श्याम गोशाला मिंगनी खेड़ा का 15वां वार्षिक महोत्सव 23 फरवरी को गोशाला में मनाया जाएगा। प्रधान सज्जन गर्ग ने बताया कि इसमें सीएम नायब सैनी,महंत बालकनाथ योगी, हिसार से विधायक सावित्री जिंदल का रहेगा। अति विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्त कमल गुप्ता, राजेंद्र गावड़िया, बजरंग लाल अग्रवाल, आकाश सिंगला अति विशिष्ट अतिथि होंगे।

42 लाख की ठगी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

हांसी। आर्थिक अपराध शाखा पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोप में पंजाब के जिले फरीदकोट के गांव धीमा वाली निवासी अमनदीप को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार प्रोडक्शन वारंट पर लिए आरोपी ने एक वर्ष पहले मसूदपुर निवासी राजेंद्र व राजेश को विदेश भेजने के लिए धोखाधड़ी से रुपये अपने बैक खाते में डलवाए थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को प्रोडक्शन वारंट न्यायालय में पेश करके तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी के आरोपी रिमांड पर लिया

हांसी। शहर पुलिस ने नौकरी लगवाने के नाम पर 7.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार अदालत से चार दिन के रिमांड पर लिया है। जिसकी पहचान राजस्थान सीकर की नवलगढ़ आदर्श कॉलोनी व हाल संडोल निवासी सुनील के रूप में हुई है। आरोपी ने फतेहाबाद में चिंदड़ के सतबीर व साबरवास के प्रदीप को दिल्ली पुलिस व होमगार्ड की नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करते हुए 7.75 लाख रुपए लिए थे।

नाबालिगा से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल कैद

हिसार। नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में अदालत ने बरवाला के वार्ड नंबर 5 निवासी अर्जुन उर्फ रिंकू को 10 साल के कैद व 1.12 लाख जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसे तीन दिन पहले दोषी करार दिया था। बरवाला थाना पुलिस ने 23 जून 2020 को 4 पॉक्सो एक्ट और विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जिसमें उस पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने व बंधक बनाकर रेप का आरोप लगाया था।

एचएयू के गिरी सेंटर में महिला एवं पुरुष दंगल का आगाज

पहलवान अंतिम पंघाल ने मनीषा सुजीत ने उदित को दी पटखनी

एचएयू के वीसी प्रो. बीआर कंबोज ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में बुधवार के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंघाल ने मनीषा को 8-4 से मात दी।

इससे पूर्व प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलिश भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल का होना बहुत जरूरी है।

खेलों से खिलाडिय़ों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाडिय़ों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेषरुप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाडिय़ों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाडिय़ों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढक़र भाग लेना चाहिए।

हिसार। खिलाडिय़ों का परिचय लेते व खिलाडिय़ों को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

आज कुश्ती दंगल, दोनों वर्गों की 6 कैटगरी शामिल

प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरूष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई हैं जिसमें 53, 57, 60, 68, 74 व 77 वजन वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन बनाए गए हैं। हरियाणा योद्धा में गोल्ड के लिए एक लाख रुपये, सिल्वर के लिए 71 हजार तथा ब्रॉन्ज के लिए 31-31 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। हरियाणा वीर में गोल्ड के लिए 71 हजार, सिल्वर के लिए 51 हजार तथा ब्रॉन्ज के लिए 21-21 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी प्रकार हरियाणा वजन में गोल्ड के लिए 51 हजार, सिल्वर के लिए 31 हजार तथा ब्रोंज के लिए 11-11 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे।

40 विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धा में हिस्सा

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी में एसोसिएशन ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी द्वारा नॉर्थ वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज (पुरुष) टूर्नामेंट का 20 फरवरी को आगाज होगा। टूर्नामेंट में करीब 40 विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। वीसी डॉ. पुनीत गोयल और प्रो चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने बताया कि ओएसजीयू को नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज (पुरुष) टूर्नामेंट को आयोजित करवाने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय प्रबंधन के सहयोग से हाल ही में एआईयू युवा महोत्सव काफी बेहतरीन तरीके से आयोजित किया और अब एआईयू चेस टूर्नामेंट के लिए ओएसजीयू प्रबंधन तैयार है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी कौशिक व प्रति-कुलपति डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर ने कहा कि यह टूर्नामेंट 20 फरवरी से 23 फरवरी तक आयोजित करवाया जाएगा, जिसमें हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, जम्मू व कश्मीर, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, पंजाब आदि राज्यों के विश्वविद्यालय के धुरंधर प्रतिभागी इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले हैं।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईआईएस के सीओओ तथागथा मुखर्जी, हेड ऑफ ऑपरेशन, आईआईएस हिसार सत्यप्रकाश, एडिशनल डायरेक्टर साई, वीके मनचंदा, आईआईएस कुश्ती हेड कोच सियानंद, साई से कुश्ती के सीनियर कोच राजेश व कुश्ती प्रशिक्षक कुलदीप सिंह व ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया उपस्थित रहे।

हिसार। क्रिकेट मैच का शुभारंभ करते प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह।

क्रिकेट मैचः गैर-शिक्षकों को शिक्षकों ने 62 रन से हराया

- शिक्षक वर्ग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 205 रन बनाए,केवल 141 रनों पर सिमटी गैर शिक्षक वर्ग की टीम, खेल से न केवल शरीर की, बल्कि मन की शक्ति व आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

दयानंद कॉलेज में शिक्षक और गैर-शिक्षक वर्ग की टीमों के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में शिक्षक वर्ग ने गैर शिक्षक वर्ग को हराया। मैच का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बुधवार को किया। प्रो. मंजीत सिंह ने सभी खिलाडियों का परिचय करवाया। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य ने कहा की खेल में न केवल शरीर की, बल्कि मन की शक्ति और आत्मविश्वास का भी महत्व होता है। टॉस जीतकर टीचिंग टीम के कप्तान दीपक शर्मा ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। ओपनिंग बैट्समैन के रूप में विकास व अजय ने पारी की शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 45 रन की सांझेदारी की। कप्तान दीपक शर्मा ने 23 बाल में 53 रनों की शानदार पारी के साथ शीर्ष स्कोरर रहे, जिसमें कई चैके और छक्के शामिल थे। टीचिंग टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 205 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में गैर-शैक्षणिक टीम की पारी 141 रनों पर सिमट गई व मैच शैक्षणिक टीम ने 64 रनों से जीत लिया।

मैच की संजीव और रोचक कमेंट्री डॉ. रमेश कुमार और मंजीत ने की। मैच के बाद प्राचार्य डॉ.विक्रमजीत सिंह, डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रो. मंजीत सिंह, प्रो नरेन्द्र कुमार, प्रो. सुरेश यादव, प्रो. चेतन शर्मा, प्रो. आदित्य कुमार और शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. सुरजीत कौर ने विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किए।

2047 से पहले पूरा होगा सुरक्षित जल का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

प्रदेश के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि हरियाणा प्रदेश जल सुरक्षित राज्य के लक्ष्य को 2047 से पहले पूरा करेगा। इसके लिए हरियाणा में रेनीवेल, जल जीवन मिशन, अमृत योजना के अलावा नहर आधारित पेयजल परियोजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। मंत्री रणबीर गंगवा 'जल सुरक्षित राष्ट्र' विषय पर उदयपुर (राजस्थान) में आयोजित कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कॉन्फ्रेंस में सिंचाई, महिला एवं बाल विकास मंत्री मती श्रुति चौधरी भी मौजूद रही। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में 2047 तक जल सुरक्षित राष्ट्र के लिए अनेक सुझाव और योजनाओं की जानकारी दी गई। जल संरक्षण के मामलों में विकसित भारत की यात्रा में अहम भूमिका अदा करेगा। रप्रदेश में जल संसाधनों के समुचित इस्तेमाल और योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा में नहर आधारित योजनाओं को और सुदृढ़ किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में जल

हिसार। राष्ट्रीय कांफ्रेंस में संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

216 गांवों को रेनीवेल परियोजना से जोड़ा

मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने यमुना नदी से रैनीवैल परियोजना के माध्यम से 216 गांवों को स्थायी आधार पर पीने का पानी उपलब्ध कराया है। नवीन और सतत स्त्रोत वाली यह परियोजना गेम चेंजर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मेवात क्षेत्र के गांवों को रैनी वेल योजनाओं के दायरे में लाने को लगातार कार्य कर रही है।

घरों में पानी की कमी है उनको नहरों के ऊपरी छोर पर स्थानांतरित करना प्रक्रिया में है। यह बहुत बड़ा कार्य है, जिसके लिए भारी निवेश की आवश्यकता है। ।

कैफे का विरोध जारी, प्रदर्शन

- एचएसईबी वर्क यूनियन ने कैफे को बंद नहीं करने पर दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

विद्युत नगर में चल रहे कैफे के खिलाफ लगातार प्रदर्शन जारी है। बुधवार को हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित एचएसईबी वर्कर यूनियन की मीटिंग यूनिट प्रधान सुरेश सरसाना की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन सचिव दिनेश शर्मा ने किया। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य विद्युत नगर में चल रहे कैफे मे हो रहे असभ्य अनैतिक व अश्लीलता का समावेश होना है।

हिसार। विद्युत नगर में कैफे के खिलाफ प्रदर्शन करते कर्मचारी।

कर्मचारियों नेताओं ने आरोप लगाया कि निगम द्वारा जमीन कैफे व लाइब्रेरी के लिए दी गई थी लेकिन इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। यूनियन के राज्य के कानूनी सलाहकार विकास ठाकुर व जोनल संगठनकर्ता विनोद सैनी ने बताया कि इस कैफे के कारण सभी कॉलोनीवासियों का जीना हराम हो गया है। यूनियन इसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी। यूनिट प्रधान सुरेश सरसाना ने आरोप लगाया कि इस कैफे में जो चल रहा है उसमें मैनेजमेंट की सहमति है।

विज्ञान प्रदर्शनी में छाए जाट कॉलेज के छात्र

- कार्यक्रम में शामिल हुए 20 महाविद्यालयों की टीमें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हांसी कॉलेज में आयोजित अंतर महाविद्यालय जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में 20 महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभागिता की। जाट कॉलेज के विद्यार्थियों ने भूगोल तथा वनस्पति विज्ञान विषय श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। भूगोल विषय में बीए तृतीय वर्ष के नीरज व अंशुल ने टिहरी बांध पर विकास के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों पर अपना मॉडल बनाया। वहीं वनस्पति विज्ञान में रविंद्र व मुस्कान ने नए परिवेश में कृषि विषय पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. कपेन्द्र सिंह ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर भूगोल की अध्यक्षा प्राध्यापिका हर्षलेखा, वनस्पति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार, डॉ. करम सिंह देशवाल, प्राध्यापक नरेश कुमार, प्राध्यापिका पूजा तथा अंजू मौजूद रहे।

हिसार। विजेता विद्यार्थी प्राचार्य डॉ. कपेंद्र व स्टाफ सदस्यों के साथ।

जिले में 21वीं पशुधन गणना का 60% काम पूरा: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिले में 21वीं पशुधन गणना का कार्य तेजी से चल रहा है। अब तक पशुपालन एवं डेयरी विभाग की सर्वे टीम द्वारा 1 लाख 96 हजार 622 घरों का सर्वे किया जा चुका है, जिसमें लगभग 3 लाख पशुओं का डाटा जुटाया गया है। उपायुक्त अनीश यादव ने इस संबंध में बुधवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारियों को इस कार्य में और भी तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त अनीश यादव ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डॉ. सुभाष जांगड़ा से अब तक जुटाए गए डेटा पर रिपोर्ट ली है। अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त अनीश यादव ने उपनिदेशक डॉ. सुभाष जांगड़ा को निर्देश दिए है कि इस कार्य को जल्द तय समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि इस डेटाबेस के आधार पर पशुपालन क्षेत्र से संबंधित अलग-अलग परियोजनाओं पर काम होता है।

हिसार। गांव कैमरी में सर्वे टीम को निर्देश देते पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डॉ. सुभाष जांगड़ा।

133 वीएलडीए, 27 सर्जन लगाए

जिले के 405 गांवों व वार्डों में यह सर्वे किया जा रहा है, जिनमें से 60 प्रतिशत से ज्यादा क्षेत्र में सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है। पशुधन गणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से ऐप के जरिये की जा रही है, जिससे पशुपालन एवं डेयरी विभाग को पशुओं की सटीक जानकारी मिल सकेगी। गणना कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए 133 वीएलडीए और 27 वेटरनरी सर्जन को लगाया गया है। विभाग के वीएलडीए घर-घर जाकर पशुधन का डाटा एकत्र कर रहे हैं, जबकि वेटरनरी सर्जन सुपरवाइजर की भूमिका में हैं। इनकी रिपोर्ट पर ही गणना को स्वीकृति दी जाएगी। अभी तक जिले के पोल्ट्री फार्मों में 27 लाख 71 हजार 223 पक्षियों की गणना पूरी हो चुकी है।

60 दिन में चालान नहीं भरा तो वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

- वाहन चालकों को एसपी की चेतावनी, जुर्माना भी लगेगा

हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी, हांसी।

यदि आपके वाहन का चालान हो रखा है और यदि निर्धारित समयावधि में चालान नहीं भरा गया तो आपका वाहन जब्त हो सकता है। हांसी पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि अगर कोई वाहन चालक चालान की समयावधि के अंदर चालान जमा नहीं करवाता तो उस वाहन को तत्काल नियंत्रण या हिरासत में ले लिया जाएगा।

यह सख्त कदम उन लोगों के लिए है, जो चालान कटने के बाद उसे लंबे समय तक उसे नजरअंदाज करते है। चालान की जुर्माना राशि को कई सालों तक जमा नहीं करवाते हैं। चालान भरने में देरी करने वाले चालकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार ने अब चालान नियमों को और सख्त कर दिया गया है।

चालान कटने के 60 दिन के बाद वो चालान वर्चुअल कोर्ट में चला जाता है। इस हिसाब से अगर आप ऑनलाइन चालान भरना चाहते हैं तो आपके पास 60 दिन का टाइम होता है।

प्रक्रिया बना रहे आसान

उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस अब चालान प्रक्रिया को डिजिटल बना रही है। ई-चालान प्रणाली के जरिए वाहन मालिक अपने चालान को ऑनलाइन देख सकते हैं और आनलाइन भुगतान कर सकते हैं। इससे चालान प्रक्रिया पारदर्शी और आसान हो गई है।

उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई

एसपी ने कहा कि जो लोग सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों की पालना नहीं करते, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं चालान भरने में देरी करने वाले चालकों को अब 60 दिनों में चालान भरना अनिवार्य है। अगर इस समय सीमा का पालन नहीं किया गया, तो वाहन को जब्त किया जाएगा और अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

साथ रखें दस्तावेज

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा ने कहा है कि वाहन चालक अपने वाहन के दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, बीमा, पॉल्यूशन आदि दस्तावेज पूर्ण रखें। ट्रैफिक पुलिस नो पार्किंग और ओवर स्पीड से संबंधित पोस्टल चालान करती है। अगर किसी वाहन का नोट पार्किंग या ओवर स्पीड का पोस्टल चालान होता है और अगर उसका पॉल्यूशन, रजिस्ट्रेशन या फिर बीमा समाप्त हो चुका है तो नो पार्किंग या ओवर स्पीड के साथ इन सब दस्तावेज का भी जुर्माना लगाया जा सकता है।

सिसाय गांव के चौकीदार को एसडीएम ने दी चेतावनी

नशा नहीं छोड़ा तो नौकरी से धोना पड़ेगा हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

नशा मुक्त समाज बनाने के उद्देश्य को लेकर शुरू किए गए नशा मुक्ति अभियान के तहत बुधवार को एसडीएम राजेश खोथ ने सिसाय गांव का दौरा कर नशा पीड़ितों के घर घर जाकर वन टू वन बातचीत की और उनकी मनोदशा को पूरी तरह से समझ कर उन्हें नशा छोड़ने के लिए वैचारिक ताकत प्रदान की। इसके बाद उन्होंने गांव के मौजिज लोगों के साथ बैठक कर नशे की बुराई का अंत करने के लिए गहनता से विचार कर सुझाव भी लिए।

नशा करता है चौंकीदार

एसडीएम राजेश खोथ जब गांव में ग्रामीणों की बैठक ले रहे थे तो इस दौरान कुछ ग्रामीणों ने बताया कि गांव का चौकीदार भी नशा करता है। शिकायत मिलने पर एसडीएम ने चौकीदार को मौके पर बुलाया और उसे चेतावनी देते हुए कहा कि तुरंत प्रतिबंधित नशीले पदार्थों का नशा करना छोड़ दे नहीं तो नौकरी से हाथ धो बैठोगे, हालांकि चौकीदार ने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपी को गलत बताया। एसडीएम ने कहा कि अब कभी भी चौकीदार तेजवीर ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में दिखाई दे तो सूचित करें।

नशे के बताए दुष्प्रभाव

एसडीएम खोथ ने नशा पीड़ितों को समझाते हुए कहा कि नशा और नाश में कोई अंतर नहीं होता, परिवार को बर्बादी से बचाने के लिए तुरंत नशे का त्याग करें। इस कार्य में प्रशासन द्वारा हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए उन्हें खेल, अध्यात्म तथा रोजगार से भी जोड़ने का कार्य शुरू हो चुका है, इसके लिए संबंधित विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी भी निर्धारित की गई है।

हांसी। सिसाय में नशा मुक्ति को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक करते एसडीएम।

नशा पीड़ितों की गई काउंसलिंग

इस दौरान गांव की धर्मशाला में नशा पीड़ितों का नशा छुड़वाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर भी लगाया गया। इसमें डॉक्टरों की टीम द्वारा नशा पीड़ितों के काउंसलिंग की गई और निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गई। नशा पीड़ितों के अलावा अन्य मरीजों को भी दवाइयां दी गई। इस अवसर पर गांव के सरपंच प्रदीप कुमार भी मौजूद रहे।

संभावित क्षेत्रों में बढ़ाई जाएगी पुलिस पेट्रोलिंग

ग्रामीणों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर एसडीएम गांव के उन स्थान पर भी गए जहां प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की बिक्री होने का अंदेशा है। उन्होंने यहां मौजूद लोगों से कहा कि प्रतिबंधित नशीले पदार्थ बेचना कानूनन अपराध है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि फिलहाल समझाने के लिए गांव में आए हैं, बाद में अगर कोई व्यक्ति इस कार्य में संलिप्त पाया गया तो सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। प्रशासन द्वारा अवैध नशे की सप्लाई चैन को तोड़ने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की उपमंडल के उन क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ाएं जहां अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री होने की संभावना है।